an>

Title: Regarding construction of Darbhanga-Muzaffarpur Railway line in Bihar

श्री गोपाल जी ठाकुर (दरभंगा): उत्तर बिहार की अति महत्वाकांक्षी रेल परियोजना जिसके माध्यम से दो बड़े शहर दरभंगा और मुजफ्फरपुर को एक-दूसरे से रेलमार्ग के जरिए जोड़ने का लक्ष्य था वह आज़ादी के 75 साल बाद भी पूर्ण नहीं हो सका है और इस बार के आम बजट में भी रेलवे द्वारा नगण्य राशि का प्रावधान किया गया है । स्वतंत्रता के पूर्व अंग्रेजी शासनकाल के दौरान ही दरभंगा- मुजफ्फरपुर रेल खंड निर्माण का निर्णय लिया गया था और जिसका प्रमाण 1905 में प्रकाशित जिला गजट में भी मिलता है । इस रेल परियोजना को लेकर 2008 में आस जगी थी क्योंकि तत्कालीन रेल मंत्री द्वारा शिलान्यास किया गया था लेकिन तत्कालीन मंत्री जब सिंहवाड़ा शिलान्यास करने पहुंचे तो पता चला इधर होकर तो दरभंगा- मुजफ्फरपुर रेल खंड जाएगी ही नहीं । भीड़ आक्रोशित थी तत्कालीन मंत्री ने मंच से एक नए रेल खंड की घोषणा कर दी और कहा कि जनकपुर रोड से एक नई रेल लाइन बिछेगी जो सिंहवाड़ा होते हुए दरभंगा- मुजफ्फरपुर रेल खंड से जुड़ेगी । इस प्रकार की गलती को सुधारने कुछ दिनों बाद तत्कालीन केंद्रीय राज्य मंत्री डीलाही स्टेशन पहुंच दरभंगा-मुजफ्फरपुर रेल खंड का शिलान्यास किया लेकिन इसके कुछ दिनों बाद रेलवे के अधिकारियों द्वारा उस शिलापट्ट को यह कहकर हटवा दिया कि, “अब तक सर्वे का काम पूरा नहीं किया गया है ।” । वास्तविकता तो यह है कि अब तक सर्वे का कार्य भी पूर्ण नहीं हुआ है । आदरणीय रेल मंत्री जी से मांग करता हूँ कि 66 किलोमीटर वाले इस रेलखंड का जल्द सर्वे कार्य पूर्ण करते हुए अति महत्वपूर्ण जनहित के इस रेल परियोजना का कार्य भी यथाशीघ्र प्रारंभ करवाया जाय । माननीय मंत्री जी को यह बात भी संज्ञान में देना चाहूंगा कि बीते कई वर्षो से मुजफ्फरपुर और दरभंगा के कई संगठन के द्वारा भी दरभंगा- मुजफ्फरपुर

रेलमार्ग को लेकर मांग की जा रही है ।अतः जनभावना को ध्यान में रखकर इस महत्वपूर्ण रेल परियोजना का कार्य यथाशीघ्र संपादित करने की कृपा की जाये ।